परामर्श प्रमुख

श्री कैलाशचंदजी जैन, झाँसी
श्री जिनेन्द्रकुमारजी जैन, अहमदाबाद
डॉ. श्रेयांस कुमार जैन, बड़ौत
डॉ. कपूरचंद जैन, खतौली

प्रधान संपादक
सिंघई राजेन्द्र जैन, 9407453066

सह संपादिका
श्रीमती अर्चना अजय जैन, 9827796013
श्रीमती अनुपमा रजनीश जैन, 9009066884

कोषाध्यक्ष –
सुधेश कुमार जैन, 9827254111

प्रबंध संपादक
राजेन्द्र कुमार जैन, सायकलवाले, 9425353972
खुशालचन्द जैन, 9302123879
कोमलंचद जैन, 9329524227

(संयोजक एवं प्रकाशक)
बाहुबली जैन, 9827247847

शिरोमणि संरक्षक, परम संरक्षक अपना संक्षिप्त परिचय सपत्नीक फोटो सहित एवं संरक्षक तथा विशेष सहयोगी सदस्य अपना संक्षिप्त परिचय फोटो सहित भेजे ताकि प्रकाशन किया जा सके।

सदस्यता शुल्क

शिरोमणि संरक्षक (अ.जा.)	21000/-
परम संरक्षक (अ.जा.)	11000/-
संरक्षक (अ.जा.)	5100/-
विशेष सहयोगी (अ.जा.)	2100/-
आजीवन शुल्क (अ.जा.)	1100/-
सहयोग राशि	500/-

आप 'गोलालारीय दर्शन' के बैंक खाते में सहयोग राशि स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के खाता क्रं. 63048875855 IFSC Code: SBIN0030134 में चेक द्वारा ही जमा कर स्लीप की फोटोकॉपी व अपना नवीन फोटो मय जानकारी के हीरालाल एण्ड संस, 16 महारानी रोड व कार्यालय पते पर अवश्य भेजें ताकि आपको रसीद भेज कर आपका विवरण प्रकाशित किया जा सके।
नोट – 8 मार्च 2014 से अन्य शहरों से जमा की जाने वाली राशी पर बैंक शुल्क न्यूनतम 50 रु. कर दिया है।

अत: बायोडाटा शुल्क मल्टीसिटी चेक के द्वारा ही पत्रिका के पते पर भेजे।

विज्ञापन दर (कलर)

अंतिम पेज	15000/-
फुल पेज (अंदर)	11000/-
1/2 पेज	5000/-
1/4 पेज	3000/-
मांगलिक बधाई फोटो सहित	3000/-
शोक संदेश फोटो सहित	1000/-
बॉयोडाटा फोटो सहित	200/-

बायोडाटा, समाचार व अन्य कोई जानकारी पत्रिका में प्रकाशित करने हेतु गोलालारीय दर्शन 64, न्यू देवास रोड़, इन्दौर अथवा श्री राजेन्द्रकुमार जैन हीरालाल एण्ड संस, 16 महारानी रोड़, इन्दौर पर भेंजे।

स्वर्गीय श्री कन्छेदीलाल जैन का जीवन परिचय

श्री कन्छेदीलाल जैन का जन्म ललितपुर के देलवारा ग्राम में पिता श्री परमानंद जी एवं माता श्रीमति तुलसाबाई के यहां हुआ था । आपने शासकीय सेवा मध्यप्रदेश वेयर हाऊस कार्पोरेशन में निष्ठापूर्वक कार्य का संपादन किया । आप कार्य के प्रति सदैव सजग व उत्तरदायी रहे । श्री कन्छेदीलाल जी मृदभाषी एवं सुभासी व्यक्तित्व के धनी होकर समाज सेवा के क्षेत्र में अग्रणी रहे । जो भी कार्य उन्हें दिया गया वह उन्होने सहजता एवं उदार मन से पूर्ण किया । आपने समाज द्वारा संचालित केशर बाई औषधालय, सागरमल साहित्य विक्रय केन्द्र एवं पक्षी विहार संस्था में कोषाध्यक्ष के पद पर कार्यरत रहकर अपने कर्तव्यों का सहजता से निर्वाहन किया । वर्ष 2011 मे किरी मोहल्ला में समाज के नवनिर्मित जिनालय के पंचकल्याणक में आपको कोषाध्यक्ष का दायित्व सौंपा गया था जिसे आपने बखूबी निभाकर अंतिम दिवस को आय व्यय का पत्रक सभा के सामने प्रस्तुत कर दिया । हाल ही में 1008 चंदप्रभ जिनालय में सामूहिक सिद्धचक्र महामण्डल विधान का आयोजन हुआ, जिसमें आपने राजा चक्रवर्ती के रुप में अंनतानंत सिद्धों की आराधना की । आप नित्य प्रात:काल 6 बजे मंदिरजी में आकर पूजा अभिषेक की पूर्ण व्यवस्थाएँ सहज उपलब्ध कराने की व्यवस्था करते थे एवं अन्य लोगों को भी इसी प्रकार के कार्य करने हेतु प्रेरित करते रहते थे । प्रति रविवार को मंदिरजी में आयोजित होने वाला 1 घंटे के भक्ताम्बर पाठ का संचालन भी आपके द्वारा ही संपादित किया जाता रहा ।

2 अप्रैल को आपका स्वास्थ्य प्रतिकूल हुआ और आपको आगामी जांच हेतु भोपाल ले जाया गया जहां 3 अप्रैल की प्रात: 11 बजे भोपाल में ही देहांत हो गया । श्री कन्छेदीलालजी के निधन से पूरे समाज में शोक की लहर दौड़ गई । समाज के मुखपत्र 'गोलालारीय दर्शन' की प्रगति में आपका बड़ा योगदान रहा है, आपने समय–समय पर मार्गदर्शन प्रदान कर पत्रिका को नवीन ऊचाईयां प्रदान की है । आप विदिशा नगर के प्रांतीय प्रतिनिधि के रुप में नहीं वरन् हमारे मार्गदर्शक के रुप में सदैव चिरस्मरणीय रहेंगे । । विवाह योग्य बच्चों की प्रथम पुस्तिका 'प्रयास' के प्रकाशन की प्रेरणा भी आप ही ने दी थी। आपकी कमी विदिशा समाज को ही नहीं बल्कि संपूर्ण गोलालारीय समाज को रहेगी । गोलालारीय दर्शन पत्रिका के लिए यह सबसे बड़ी क्षति है हमने इस पत्रिका की उन्नति का एक सच्चा मार्गदर्शन खो दिया है ।

स्वर्गीय डॉ. राजेन्द्रकुमारजी जैन का जीवन परिचय

डॉ. राजेन्द्रकुमार जैन का जन्म 30.08.48 को बुढ़ार में हुआ । आपने अपनी शिक्षा इन्दौर से कर जन्मस्थली बुढ़ार में 'सेवालय' चिकित्सालय खोलकर जनसेवा कार्य पूर्ण मनोयोग से प्रारंभ कर अंतिम समय तक मानव सेवा करते रहे । लायंस क्लब से जुड़कर समय समय पर आपने चिकित्सा, शिक्षा व अन्य क्षेत्रों में जाकर नगर वासियों की मदद की । स्थानीय समाज व राजनैतिक संगठन से आप सदा जुड़े रहे । भारतीय जनता पार्टी के चिकित्सा प्रकोष्ठ के आप अध्यक्ष रहे । बुढ़ार डिग्री कॉलेज में आपने 10 वर्षों तक जन भागीदारी अध्यक्ष के रुप में सेवाएं प्रदान की । अखिल भारतीय गोलालारीय परिषद के आप उपाध्यक्ष रहे । आपका निधन 3.01.2016 को हो गया, जिससे स्थानीय समाज में शोक की लहर फैल गयी ।

गोलालारीय परिषद की द्वितीय बैठक में आपने संगठन को सशक्त व गतिशील बनाने के लिए प्रत्येक नगर / गांव से क्रियाशील सदस्यों की नियुक्ति पर जोर देकर कहा था कि संगठन को यदि सशक्त बनाना है तो उसमें युवा पीढ़ी के उन नवयुवकों को जोड़ा जाना चाहिए जो अपने समाज के प्रति कुछ करने का जज़्बा दिल में रखते है; हम सभी उनके विचारों से काफी प्रभावित हुये थे ।

वर्ष 2009 में जब इन्दौर में गोलालारीय परिषद की बैठक आयोजित हुई थी तब भी आप अस्वस्थ होने के पश्चात भी इस सभा में सपत्नीक पधारे थे । आपने परिषद की गतिविधियों की शिथिलता पर अप्रसन्नता जाहिर कर संगठन को पुन: जीवित करने की भावना पर जोर दिया । समाज में हो रहे अंतर जातीय विवाह पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि राष्ट्रीय व स्थानीय संगठन को सुदृढ़ कर इस समस्या को बहुत हद तक कम किया जा सकता है । आपने समय समय पर समाज हित में अनेक मंचों से अपने विचार रखें है आप सदैव समाज के हितार्थ कार्य करते रहे है। आपका योगदान हमेशा अस्मरणीय रहेगा ।

रक्तदान शिविर आयोजित

मंजू जैन, ललितपुर । महावीर जयन्ती के अवसर पर दि.जैन महासमिति की चेलना इकाई, ललितपुर द्वारा श्री आदिनाथ दि. जैन मंदिर नई बस्ती पर अनेकों कार्यक्रम संचालित किये गये । संगठन पदाधिकारियों ने विशेष रुचि दिखाकर इस वर्ष भी रक्तदान करने हेतु लोगों में जन जागृति का संदेश दिया । दोपहर में महावीर नेत्र चिकित्सालय में जैन युवा संगठन द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया, जिसमें चेलना इकाई की अध्यक्षा श्रीमति मन्जू जैन, ममता, संगीता एवं श्रध्दा जैन ने रक्तदान करके मानवता का सन्देश दिया तथा सेवा भाव का संकल्प लिया ।

जूली जैन, बुढ़ार । बुढ़ार की समाजसेवी महिला श्रीमती जूली जैन द्वारा त्रिशला महिला मंडल, जैन युवा मंडल व जैन समाज के संयुक्त तत्वावधान में जिला ब्लड बैंक, शहडोल के लिये 18 अप्रैल को सिंधी धर्मशाला, बुढ़ार के हॉल में रक्तदान शिविर का आयोजन संपन्न हुआ। जिसमें समाज के अनेक श्रावक श्राविकाओं व गणमान्य नागरिकों ने कुल 34 यूनिट रक्तदान किया । रक्तदाताओं के उत्साहवर्धन के लिए जैन समाज के वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ सिंधी समाज बुढ़ार के श्री दातूमल विश्नदासानी 'बल्लू भाई' व अग्रवाल समाज बुढ़ार अमलाई के श्री श्यामसुंदर बगड़िया 'रक्तप्रहरी' पूरे दिन उपस्थित रहे। सभी रक्तदाताओं को जिला ब्लड बैंक की ओर से प्रमाण पत्र व समाज की ओर से शीतल पेय जल व फल दिया गया ।

शैलेष जैन 'पिन्टू' ललितपुर । देवगढ़ (ललितपुर, उ.प्र.) स्थित जैन तीर्थस्थल पर उ.प्र. के मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव जी ने जैन तीर्थंकरो व भगवान शांतिनाथ मंदिर जी के दर्शन किये व इस स्थल को पर्यटन स्थल के रुप में विकसित करने का भरोसा दिलाया । देवगढ़ किले में 31 जैन मन्दिर है । यह जगह बेतवा नदी के तट पर स्थित है । 8वीं और 9वीं सदी में इनका निर्माण हुआ था । सबसे सुन्दर मन्दिर जैन तीर्थंकर शांतिनाथ का है । यहाँ गुप्त, गुर्जर, प्रतिहार, गोंड, मुगल, चन्देल और मराठों के वंश के कई ऐतिहासिक स्मारक और किले आज भी मौजूद । गत कई वर्षों से गोलालारीय परिषद के अध्यक्ष सेठ श्री चंपालालजी नौहरकलांवाले ने क्षेत्र अध्यक्ष के रुप में क्षेत्र का काफी विकास किया है ।